S.D.E.

S. Y. B. COM. (2008 COURSE) : SUMMER - 2018

SUBJECT: MONEY AND FINANCIAL SYSTEMS

Day: **Friday** Time: **11.00 AM TO 02.00 PM**

Date: **13/04/2018** Max. Marks: 80

S-2018-4175

N.B:

1) All questions are **COMPULSORY.**
2) Figures to the right indicate **FULL** marks.
3) Both sections to be written in the **SAME** answer book.

SECTION-I

Q.1 Attempt **ANY TWO** of the following questions. **(16)**

a) Explain the various concept of National Income.
b) State the importance of national income accounting.
c) Write constitutes of money supply.
d) Explain the Classical Theory of Employment.

Q.2 Write short notes on (**ANY FOUR**): **(16)**

a) NNP
b) Per Capita Income
c) Value of Money
d) Aggregate Demand and Aggregate Supply Function
e) Investment Function
f) Multiplier

SECTION-II

Q.3 Attempt **ANY TWO** of the following questions. **(16)**

a) Explain the Hayek's over investment theory.
b) Explain the nature of public finance.
c) Explain the effects of deficit financing.
d) Explain the Classical Growth Model of Economics

Q.4 Attempt **ANY TWO** of the following questions. **(16)**

a) Explain the scope of trade cycles.
b) Explain the role of public debt in economic development of UDCs.
c) State the causes of growth in public expenditure.
d) Explain the Solow's New-Classical Growth Model.

Q.5 Write short notes on (**ANY FOUR**): **(16)**

a) Principle of Maximum Social Advantage
b) Objectives of Deficit Financing
c) Cannons of Taxation
d) Effect of Public Expenditure
e) Harrod and Domar Economic Growth Model
f) Economic Growth and Technical Progress

* * * * *

मराठी रुपांतर

सूचना:

१) सर्व प्रश्न सोडविणे **आवश्यक** आहे.

२) उजवीकडील अंक **गुणांचा निर्देश** करतात.

३) दोन्ही विभाग **एकाच** उत्तरपत्रिकेत लिहावेत.

विभाग –१

प्र.१ खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **(१६)**

अ) राष्ट्रीय उत्पन्नाच्या विविध संकल्पना स्पष्ट करा.

ब) राष्ट्रीय उत्पन्न लेखांकनाचे महत्त्व सांगा.

क) पैशाच्या पुरवठ्याचे घटक लिहा.

ड) रोजगाराचा सनातनपंथीय सिध्दांत स्पष्ट करा.

प्र.२ टीपा लिहा. **(कोणत्याही चार)** **(१६)**

अ) निव्वळ राष्ट्रीय उत्पन्न

ब) दरडोई उत्पन्न

क) पैशाचे मूल्य

ड) एकूण मागणी आणि एकूण पुरवठा फलन

इ) गुंतवणूक फलन

फ) गुणक

विभाग –२

प्र.३ खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **(१६)**

अ) हायेकचा अतिरिक्त गुंतवणूक सिध्दांत स्पष्ट करा.

ब) सार्वजनिक आयव्ययाचे स्वरुप स्पष्ट करा.

क) तुटीच्या अर्थभरण्याचे परिणाम स्पष्ट करा.

ड) अर्थशास्त्राचे पारंपारिक वृध्दि प्रतिमान स्पष्ट करा.

प्र.४ खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **(१६)**

अ) व्यापारचक्राची व्याप्ती स्पष्ट करा.

ब) अल्पविकसित देशांच्या आर्थिक विकासातील सार्वजनिक कर्जाची भूमिका स्पष्ट करा.

क) सार्वजनिक खर्चाच्या वाढीची कारणे सांगा.

ड) वृध्दिचे नवसनातनवादी सोलो प्रतिमान स्पष्ट करा.

प्र.५ टीपा लिहा. **(कोणत्याही चार)** **(१६)**

अ) महत्तम सामाजिक लाभाचे तत्त्व

ब) तुटीच्या अर्थभरण्याची उद्दिष्टे

क) कराची तत्त्वे

ड) सार्वजनिक खर्चाचे परिणाम

इ) आर्थिक वित्ताचे हेरॉड– डोमर प्रतिमान

फ) आर्थिक वृध्दि आणि तांत्रिक प्रगती

* * * *

हिंदी रुपांतर

सूचनाएं:

१) सभी प्रश्न **अनिवार्य** है।
२) दाहिने दिए हुए अंक **गुणोंका निर्देश** करते है।
३) दोनों विभाग **एकही** उत्तरपत्रिका में लिखिए ।

विभाग -१

प्र.१ निम्नंलिखित में से **किन्ही दो के** उत्तर लिखिए । (१६)

अ) राष्ट्रीय आय की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।
ब) राष्ट्रीय आय लेखांकन का महत्त्व बताइए ।
क) मुद्रा पूर्ती के घटक लिखिए ।
ड) रोजकार का परम्परावादी सिद्धांत स्पष्ट कीजिए ।

प्र.२ टिप्पणी लिखिए । **(कोई भी चार)** (१६)

अ) शुध्द राष्ट्रीय उत्पाद
ब) प्रति व्यक्ति आय
क) मुद्रा का मुल्य
ड) कुल मांग तथा कुल पूर्ति फलन
इ) निवेश फलन
फ) गुणक

विभाग -२

प्र.३ निम्नंलिखित में से **किन्ही दो के** उत्तर लिखिए । (१६)

अ) हायेक का अतिरिक्त निवेश सिद्धांत स्पष्ट कीजिए ।
ब) सार्वजनिक वित्त की प्रकृति स्पष्ट कीजिए ।
क) घाटे के वित्त प्रभाव स्पष्ट कीजिए ।
ड) अर्थशास्त्र के पारम्पारिक वृध्दी प्रतिमान को स्पष्ट कीजिए ।

प्र.४ निम्नंलिखित में से **किन्ही दो के** उत्तर लिखिए । (१६)

अ) व्यापारचक्र का विस्तार स्पष्ट कीजिए ।
ब) अल्पविकसित देशों के आर्थिक विकास में सार्वजनिक ऋण की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।
क) बढते सार्वजनिक व्यय के कारण स्पष्ट कीजिए ।
ड) सोलों के नवक्लासिकल संवृध्दि मॉडेल को स्पष्ट कीजिए ।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए । **(कोई भी चार)** (१६)

अ) महत्तम सामाजिक लाभ सिध्दांत
ब) घाटे के वित्त के उद्देश
क) कर के सिध्दांत
ड) सार्वजनिक व्यय के प्रभाव
इ) आर्थिक विकास का हैरड-डोमर प्रतिमान
फ) आर्थिक संवृध्दि तथा तकनिकी प्रगती

* * * *